2024-25 MODELQUESTION PAPER-2

Subject : THIRD LANGUAGE HINDI

KEY ANSWERS

-Priya tutorials

****

I.निम्नलिखित प्रश्नों के चार-चार विकल्प दिए गए हैं उनमें से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

8×1=8

1] A] मिलाना

2] C] लेखिका

3] B] अविश्वास

4] D] कहानियाँ

5] A] प्रश्न चिह्न

6] C] समानाधिकार

7] B] की

8] C] कर्मधारय समास

II निम्म्लिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरुप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए :

4×1=4

9] कहानी

10] व्यंग्य रचना

11] हाथी के पैर

12] दया

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक –एक वाक्य में लिखिए :- **4×1=4**

13] अधुनिक पुरुष ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय पाया है।

14] मकान कैसे बनाए इसके बारे में पूछ-ताछ करने के लिए दोनों दोस्त जंगल की ओर चल पड़े।

15] हमें 12 वर्ष की उम्र में अच्छी आदतें डालनी है।

16] यशोदा का रंग गोरा था ।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –तीन वाक्यों में लिखिए :- **8×2=16**

17] लेखक ने दुकानदार को क्षमा के योग्य नहीं समझते हैं क्योंकि दुकानदार ने जानबूझकर धोखेबाजी की थी । यदि एक सेब सड़ा होता तो शायद प्रेमचंद जी सोचते कि, दुकानदार ने देखा न होगा पर सारे के सारे सेब खराब थे । इसलिए क्षमा के योग्य नहीं समझा ।

Scanned with OKEN Scanner

18] घरेलू कामकाज के साथ-साथ नाती-पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए धीरज सक्सेना को एक बुद्धिमान रोबोट की जरूरत थी।

19] गाँव को साफ-सुथरा देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर कहते है कि बच्चों ने गाँव को नया जीवन दिया है। सबने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है। बाल-शक्ति के कारण गाँव आदर्श गाँव बन गया है।

20] ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी । फ़िर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही। इस लिए लेखक ने मंत्री को समझाया ।

21] जो मनुष्य सभी मानवों से स्नेह का बाँध बाँधता है वही मानव कहलाता है । जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोडकर आपस की दूरी को मिटाता है वही सही मानव है।

22] बालकृष्ण अपनी माता से शिकायते करता है कि भाई मुझे बहुत चिढाता है। कहता है कि तुम्हे यशोदा । माता ने जन्म नहीं दिया है। वह यह भी कहता है कि नंद और यशोदा तो गोरे है, लेकिन तुम तो काले हो।

23] शनि का निर्माण – हाईड्रोजन, हीलियम , मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना हैं ।

[अथवा]

शनि के अभी दो दशक पहले तक दस उपग्रह खोजे थे। लेकिन अब शनि के उपग्रहों की संख्या 17 पर पहुँच गई है।

24] शास्त्रों में सत्य बोलने को कुछ इस तरह समझाया है ।

'सत्यं ब्रूयात्, प्रिय ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्' अर्थात्,
'सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।'

[अथवा]

मीना मैडम ने छात्रों से अंत में कहा- आज के बच्चें कल के नागरिक हैं । विध्यार्थियों ! आज से, नहीं नहीं; अब से ही आप इन कर्तव्यों का पालन करना शुरू करो । इससे आपका हित तो होगा ही, देश का कल्याण भी होगा ।

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :- **9×3=27**

25] गिल्लू के कार्यकलाप को देखकर सभी को आश्चर्य होता था ।लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए अलग अलग तरीखे अपनाता था । भूख लगने पर चिक-चिक करके आवाज़ करता था । लेखिका की थाली के पास बैठकर एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता था । लेखिका के बाहर जाने पर खिड़की की खुली जाली की राह बाहर चला जाता ।ठीक चार बजे अपने कमरे में आ जाता था । खिड़की से भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता ।

26] जलालुद्दीन कलाम जी को हमेशा शिक्षित व्यक्तियों, वैज्ञानिक खोजों, समकालीन साहित्य और चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों के बारे में बताते रहते थे। इस तरह उन्होंने कलाम जी को नई दुनिया का बोध कराया।

27] 'सोशल नेटवर्किंग' ने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटनर्किंग के कई साइट्स हैं। जैसे – फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन आदि। इनसे दुनिया के लोगों के रहन-सहन, वेश-भूषा, खान-पान, कला, संस्कृति आदि का प्रभाव पड़ता है। इस.प्रकार यह एक क्रांतिकारी खोज है।

Scanned with OKEN Scanner

28] मातृभूमि अमरों की जननी है। भारत माता के एक हाथ में न्याय पताका है, जो न्याय का प्रतीक है। दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है, जो ज्ञान का प्रतीक है। भारत माता न्याय तथा ज्ञान द्वारा बच्चों का मार्गदर्शन कर रही है। इस प्रकार भारत माँ का स्वरूप सुशोभित है।

29] आज मनुष्य ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है।मनुष्य के करों में वारी, विद्युत और भाप बंधा हुआ है।मनुष्य के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता-उतरता है।मनुष्य गिरी, सिंधू को एक समान लाँघ सकता है।मनुज का यान गगन में जा रहा है।व्योम से पाताल तक मनुष्य सब कुछ जानता है।और मनुष्य ज्ञान और विज्ञान का आगार है।

30] बछेंद्री पाल ने पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लिया। उन्होंने कालानाग और गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई की।रूड गेरो पर्वत की चढ़ाई की जिससे उनमें आत्मविश्वास और बढ़ गया। अगस्त 1983 में दिल्ली में हिमालय पर्वतारोहियों के सम्मेलन में पहली बार तेनसिंग नोर्गे और जुंके ताबी से मिली और उनसे प्रभावित हुई।

31] कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोले, पट्टदकलु में जो मन्दिर है उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्‌भुत है। बेलूर, हलेबीडू, सोमनाथपुर के मन्दिरों में जो पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती हैं। श्रवणबेलगोल में 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एक शिला प्रतिमा है जो दुनिया में त्याग और शांति का संदेश दे रही है।

32] <u>भावार्थ :-</u> मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। जैसे मुँह खाने- पीने का काम अकेला करके पूरे शरीर का पालन पोषण करता है वैसे ही मुखिया को भी विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करे लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

33]ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೇರಳವಾಗಿವೆ .ಅದಕ್ಕಾಗಿಯೇ ಕರ್ನಾಟಕವನ್ನು ಶ್ರೀಗಂಧದ ನಾಡು ಎಂದು ಕರೆಯಲಾಗುತ್ತದೆ .ಇವುಗಳಿಂದ ಶ್ರೀಗಂಧದಎಣ್ಣೆ, ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ಕಲಾಕೃತಿಗಳನ್ನು ಸಹ ತಯಾರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.

VI निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :- 2×4=8

34] बसंत ईमानदार और स्वाभिमानी लडका था। वह मेहनती भी था। वह बिना कुछ सामान बेचे, मुफ्त में पैसे लेने के लिए तैयार नहीं है। वह दया की भीख नहीं लेना चाहता है। वह परिश्रम करके जीना चाहता है। बसंत राजकिशोर से भीख नहीं लेकर, उन्हें छलनी खरीदने के लिए प्रेरित करता है। राजकिशोर द्वारा दिए गए नोट भुनाने के लिए वह बाजार जाता है। लेकिन लौटते समय मोटर दुर्घटना में उसके दोनों पैर कुचले जाते है। इसलिए वह नहीं लौट पाता। जब पंद्रह मिनट तक बसंत नहीं लौटता, राजकिशोर वह अब नहीं लौटेगा सोचकर अपने घर चला जाता है। होश आते ही राजकिशोर को छुट्टे पैसे वापस देने के लिए बसंत अपने भाई प्रताप को उनके घर भेजता है। इससे उसकी ईमानदारी मालूम पड़ती है।

[अथवा]

पंडित राजकिशोर मजदूरों के नेता हैं। गरीबों के प्रति सहानुभूति दिखानेवाले व्यक्ति है। वे निःस्वार्थ सेवा करते हैं। बसंत की स्वाभिमानता देखकर, आवश्यकता न रहने पर भी सहायता करने की दृष्टि से वे उससे छलनी खरीदते हैं। प्रताप से बसंत के दुर्घटनाग्रस्त होने का पता चलते ही उसके घर पहुंचते हैं और अस्पताल ले जाने का प्रबंध करते हैं। डॉक्टर से इलाज करवाते हैं और दोनों को सांत्वना देते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

35]निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए ।

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,

क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।

जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,

संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम।

VII. 36].गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :4×1=4

अ] मनुष्य सामाजिक प्राणी है।
आ] समाज में अच्छे और बुरे लोग रहते हैं।
इ] अच्छे लोगों की संगती से अच्छा प्रभाव पड़ेगा ।
ई] बुरे लोग स्वयं अपनी हानि करते हैं और समाज को भी नुकसान पहुँचाते हैं।

VIII37] दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 12-15 वाक्यों में किसी एक विषय के बारे में निबंध लिखिए :- **1×4=4**

जनसंख्या की समस्या

प्रस्तावना / विषय प्रवेश :-बढ़ती जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है। भारत को बढ़ती हुई जनसंख्या का सामना करना पड़ रहा है। दुनियाँ की 17% आबादी भारत में रहती है। जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है।

जनसंख्या में वृद्धि के कारण :विज्ञान की उन्नति के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधाओं में उन्नति हुई है।विभिन्न बीमारियों के लिए इलाज और उपचार शोध किये गये हैं। फलतः जन्म लेनेवाले शिशुओं और रोगियों की मृत्युदर में कमी हुई है तथा औसत आयु में वृद्धि हुई है| अशिक्षित और गरीब वर्ग के लोगों के अज्ञान के कारण जनसंख्या मेंवृद्धि ।धार्मिक श्रद्धा के कारण जन्मनियंत्रण विधियोंऔर परिवार नियोजन विधियों को नहीं अपनाना।

जनसंख्या विस्फोट के दुष्परिणाम :बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण देश की प्रगति कुंठित होती है। वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि और दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ रही है । बेकारी और बेरोज़गारी की वजह से अपराधों में वृद्धि हुई है । पर्यावरण प्रदूषण की समस्या उत्पन्न हुई है।

भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए उठाए गए कदम :सरकार ने पुरुषों के लिए न्यूनतम विवाह योग्य आयु 21वर्ष और महिलाओं के लिए18वर्ष तय की है।दत्तक ग्रहण को बढ़ावा दिया गया है सरकार द्वारा बच्चों को गोद लेने को भी बढ़ावा दे दिया गया है। सरकार तथा सामाजिक संस्थाओं ने सभाओं,गोष्टीओं, संचार माध्यमों द्वारा छोटे परिवार से होनेवाले फ़ायदे का प्रचार व प्रसार किया है।

उपसंहार :भारत में बढ़ती जनसंख्या गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि सरकार ने इस पर नियंत्रण रखने के लिए बहुत सारे कदम उठाए हैं, लेकिन यह नियंत्रण पर्याप्त प्रभावी नहीं है। इस समस्या को रोकने के लिए कई अन्य उपाय किए जाने की आवश्यकता है।

Scanned with OKEN Scanner

समय का महत्व

प्रस्तावना

एक पौधे को साल में कभी भी लगाया जा सकता है, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि यह रंग-बिरंगी पंखुड़ियों वाला एक सुंदर पौधा बन जाए तो आपको इसे पर्याप्त पानी और मिट्टी देनी होगी। आपको चीजों को पूरा करने के लिए समय का यथासंभव कुशल तरीके से उपयोग करना चाहिए। हमारे जीवन के साथ भी ऐसा ही है और समय की महत्वता हम सभी को समझनी होगी। समय प्रबंधन को "किसी व्यक्ति के जीवन में विभिन्न गतिविधियों के लिए आवंटित समय की मात्रा पर सचेत नियंत्रण की योजना बनाने और उसका प्रयोग करने की प्रक्रिया" के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

समय के सदुपयोग

हर व्यक्ति को समय का सदुपयोग करना चाहिए।समय का महत्व समझना जीवन में बहुत जरूरी है। समय के ठीक तरीके से के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है।रोजमर्रा के कार्यों की कार्य सूची बनाने से केंद्रित रहने में मदद मिलती है।व्यक्ति को उत्पादकता बनाए रखने के लिए ब्रेक के लिए समय निकालना महत्वपूर्ण है।जो कार्य जरूरी नहीं हैं उन्हे छोड़ देना चाहिए जिससे अनुत्पादक गतिविधियों पर समय की बर्बादी कम होती है।योजनाओं को नियमित रुप से जांचने से व्यक्ति को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढलने में मदद मिलती है।विलंब से बचना और कार्यों को तुरंत पूरा करना समय का प्रभावी ढंग से उपयोग में सहायता करता है।गतिविधियां जिनसे व्यक्तिगत विकास में योगदान होता है उन्हे करने से समय की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।काम, परिवार और अवकाश से जुड़े कार्यों में समय निकलना एक प्रभावी संतुलन का परिणाम है।

महत्व

पूरे विश्व में समय सबसे मूल्यवान और अनमोल चीज़ है, और हमें इसका उपयोग अपने लाभ और अपने आस-पास के लोगों की भलाई के लिए करना चाहिए। यह दृष्टिकोण व्यक्तिगत और सामाजिक प्रगति में योगदान देता है, हमें बेहतर कल की ओर ले जाता है। हमारे बच्चों में समय के महत्व और मूल्य की समझ पैदा करना महत्वपूर्ण है। समय की बर्बादी न केवल हमें प्रभावित करती है बल्कि हमारे आस-पास के लोगों के लिए भी समस्याएँ पैदा करती है।

समय हमारे जीवन का महत्वपूर्ण है। समय के महत्व को समझकर और उसका सदुपयोग करके हम न केवल अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अपने समाज और देश की उन्नति और विकास में भी योगदान दे सकते हैं। हमें समय का सम्मान करना चाहिए और ऐसा करके हम इसका सर्वोत्तम उपयोग कर सकते हैं। इसलिए अगर लोग समय के महत्व को समझें, तो यह समाज और व्यक्ति के लिए लाभकारी है। समय किसी का इंतजार नहीं करता, इसलिए हमें जो भी करना है, उसे अभी कर लेना चाहिए और बाद के लिए नहीं टालना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

IX38] निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए :- 5×1=5

दिनांक: 02-05-2025

प्रेषक,
महबूब बाषा एम
दसवीं कक्षा
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोनी
बल्लारी-583101

सेवामें,

प्रधानाध्यपक
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोन
बल्लारी-583101

पूज्यगुरुजी,

विषय: प्रमाण पत्र हेतु पत्र।

उपर्युक्त विषयानुसार आपसे निवेदन है कि मेरे पिताजी का तबादला मैसूरु में हो गया है। उनके साथ मुझे भी जाना होगा।अतः अनुरोध करता हूँ कि मुझे नौवीं कक्षा उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र तथा चरित्र प्रमाण पत्र देने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी छात्र,

[महबूब बाषा एम]

Scanned with OKEN Scanner